है। केन्द्रीय क्षेत्र संघटक में एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना शामिल है जिसके अंतर्गत राज्यों औऱ संघ राज्य क्षेत्रों में एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजनाओं और परियोजनाएं बनाने और उनका कार्यान्वयन करने हेतु क्षमताओं का विकास किया जाता है। केन्द्रीय प्रायोजित योजना के अंतर्गत राज्य और जिला/ब्लॉक स्तीरय आई.आर.ई.पी. परियोजना सैलों में व्यावसायिक और सहा.क स्टाफ, परियोजना रिपोर्ट तैयार करने और इसके विस्तार के प्रावधानों साहित इन स्टाफों के प्रशिक्षम हेतु सहायता-अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। राज्य क्षेत्र के परिव्यय का उपयोग प्रदर्शन परियोजनाओं के लिए निधियों, विभिश्र ऊर्जा युक्तियों हेतु वित्तीय प्रोत्साहनों, विस्तार और ब्लाक स्तरीय एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजना के कार्यान्वयन हेतु अन्य संबंधित कार्य कलापों सहित आई.आर.ई.पी. योजनाओं और परियोजनाओं के कार्यन्वयन के लिए किया जाता है। ऊर्जा एवंय प्रामीण विकास तथा अन्य चालू योजनाओं कार्यक्रमों से निधियों एवं संसाधनों का पयोग आई.आर.ई.पी. के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय ग्रामीण ऊर्जा योजना के अंग के रूप में यथासंभव आई.आर.ई.पी. ब्लॉकों में किया जाता है।

एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजना का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से कमजोर वर्गों हेतू कुकिंग रोशनी एवं तापन के लिए न्युतम ऊर्जा आवश्यकतओं की पुर्ति करना और आई.आई.ई.पी. ब्लॉकों में आर्थिक विकास के लिए महत्वपुर्ण साधन (इनपूट) के रूप में ऊर्जा उपलब्ध कराना है।

(**ग**) एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम (आई.आर.ई.पी.) का कार्यन्वयन वर्तमान में उत्तर प्रदेश के 88 ब्लॉकों में कियाजा रहा है। भारत सरकार द्वारा 12 अगस्त, 1997 को उत्तर प्रदेश के 10 अतिरिक्त ब्लॉकों में आई.आर.ई.पी. के कार्यान्वयन का अनुमोदन किया गया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक राज्य स्तरीय आई.आर.ई.पी. सैल. 57 जिला स्तरीय तकनीकी बैकअप युनिटों एक राज्य स्तरीय तकनीकी बैकअप युनिट, 3 राष्ट्रीय पाइलट पारियोजनाओं और एक क्षेत्रीय प्रशिक्षण-सह-अनुसंधान एवं विकास केन्द्र की स्थापना की गई है। उत्तर प्रदेश में आई.आर.ई.पी के कार्यान्वयन हेतु अपारंरिक ऊर्जा विकास एजेंसी (नेडा), नोडल एजेंसी का काम करती है।

(**घ**) से (ङ) जी हां। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 1993-94 में चुनिदा आई.आर.ई.पी. ब्लॉकों में एक स्वतंत्र सरकारी एजेंसी के माध्यम से एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम के माध्यम से एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम की प्रगति का अध्ययन कराया गया था। इस अध्ययन से यह पता चला थआ कि आई.आर.ई.पी. ब्लॉकों में उत्रत ऊर्ज4 प्रणालियों और युक्तियों का प्रयोग करने के परिणामस्वरूप ऊर्जा की जो बर्बादी पारंपरिक ऊर्जा प्रणिलियों और युक्तितयों के प्रयोग से काफी मात्रा में होती थी, पर नियंत्रण करना संभव हुआ है। इसके अलावा इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला कि इस कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

Mini Steel Plants in Bihar

578. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether Government have conducted any survey to find out the total number of mini steel plants or electric arc furnace units in the State of Bihar as on date and what is the annual production of steel by such units in the State during the last three years;

(b) the details thereof, district-wise and year-wise;

(c) the number of mini steel plants lying closed in the State as on date; and

(d) the reasons for their closure and the action Government propose to take to reopen these plants in othc State?

THE MINISTER OF STEEL AND THE MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) to (d) Government have not conducted survey of the electric are furnace based mini steel plants in the recent past. However, as per the available information, there arc 5 electric arc furnace based mini steel plants in the State of Bihar. District wise details regarding their production during the last

3 years, number of closed plants and reasons for their closure are as under:

Name & District	Production (in tonnes)			Remarks
	1994-95	1995-96	1996-97	
1. M/s. Bihar Alloys & Steel Ltd., Hazaribagh.	69920	70878	93451 (inclusive of liquid steel for casting)	
2. M/s. Tata Yogogawa Ltd., Singhbhum.	7914	3742	3193	
3. M/s. Usha Martin Industries Ltd., Singhbhum.	64980	75834	134786	
4. M/s. Bihar Foundary & Casting Ltd., Hazaribagh.	7480	18766	7240	Suspended production w.e.f. 3.9.96 through electric arc furnace due to non viability of operation. The unit, however, producing semis through electric induction furnace.
5. M/s. Kashi Ispat Pvt. Ltd., Bhagalpur.	—	—	—	Closed since May'89 (4.5.89) due to disconnection of H.T. line.
6 M/s. TISCO, Adityapur, Bhagalpur.	---	___		Closed since Dec, 1983 due to uneconomic cost of production.

The Government have set a Core Group under the Chairmanship of Development Commissioner for Iron & Steel to draw up a revival strategy for closed electric arc furnace units. Though invited by the Core Group both the closed units did not participate in the meetings.

बोकारो स्टील संयंत्र में नियोजित विमान चालक

579. **श्री मुलचन्द मीणा**: क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बोकारो स्टील संयंत्र में कितने विमान चालक कार्यरत है तथा उन्हें स्टील अथॉरिटी द्वारा किन-किन स्थानों पर आवास उपलब्ध कराए गए हैं;

(ख) क्या किसी विमान चालक को पिछले चार वर्षों से स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के बोकारों होटल का हर कमरा आवंटित किया हुआ है;

(ग) यदि हां, तो इसका मुगतान कौन कर रहा है;

(घ) किस नियम के अन्तर्गत कंपनी इस पर आने वालें खर्जों का वहन कर रही है और यह धनराशि कितनी है;और

(ङ) अथॉरिटी द्वारा नियम-विरद्ध गैर-कानूनी तरीके से अब तक भुगतान कनरे के क्या कारण है। औऱ इसके लिये कौन कौन व्यक्ति उत्तरदायी है और इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है?

इस्पात मंत्री और खान मंत्री (श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य): (क0 से (ङ) बोकारो इस्पात संयंत्र में दो विमान चालक कार्यरत हैं दोनों विमान चालकों को क्रमश: फरवरी, 1995 और सिंतबर, 1997 से बोकारों होटल में आवास उपल्ब्ध करवाया गया है। उनमें से एक जो रानची से स्थानान्तरित होकर बोकारों आया था, के पास रांची में फैमिली क्वार्टर भी है। होटल के आवास का खर्च विमान चालकों द्वारा स्वयं वहन किया जाता है। यह खर्च कंपनी वहन नहीं कर रही है। तथापि यह कुल धनराशि 26,275,00 रुपए हैं (31.10.1997 तक)।